अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

उपकरण के माध्यम से अध्ययन हेतु चुने गए न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या इस अध्याय में की गई है। परिकल्पनाओं की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का विश्लेषण कर अंतिम परिणाम ज्ञात किया गया है।

परिकल्पना – 1

तालिका क्रमांक – 4.1

शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव के मध्य संबंध।

चर	शिक्षकों की संख्या (N)	मुक्तांश (df)	सह संबंध गुणांक (r)
शैक्षिक परिपक्वता	50	48	–0.395*
कार्यों से उत्पन्न तनाव			P>0.01

*सहसंबंध 0.01 स्तर पर सार्थक है। सार्थकता हेतु (r) का वांच्छित मूल्य 0.345 (0.01) हैं।

तालिका क्र. 4.1 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि प्राथमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य सहसंबंध गुणांक का मान –0.395 है। यह मान 0.01 स्तर पर सार्थक है। जो कि वह मान सार्थकता हेतु (r) कीं वांच्छित मूल्य (0.345) से अधिक है अंत 0.01 स्तर पर यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर पहली परिकल्पना **"प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं उनके कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य कोई संबंध नहीं होगा।"** को अस्वीकृत किया जाता है।

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है की शिक्षक की शैक्षिक परिपक्वता तथा कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य अल्प ऋणात्मक सहसंबंध है।

तालिका क्रमांक – 4.2

शिक्षक–शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्यमानों की तुलना।

लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D)	मुक्तांश (df)	'टी' मूल्य 't'
शिक्षिका	32	20.25	12.54	48	0.813
शिक्षक	18	17.61	7.48		P<0.05

N = 50

तालिका क्र. 4.2 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है की शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता का टी मूल्य 0.813 है यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। जो की वह मान सार्थकता हेतु टी की वांच्छित मूल्य (2.01) से कम है अत 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर दूसरी परिकल्पना **"प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा।"** को स्वीकृत किया जाता है।

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है की प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य कोई अंतर नहीं है।

परिकल्पना – 3

तालिका क्रमांक – 4.3

शासकीय एवं अशासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों की
शैक्षिक परिपक्तवा के मध्यमानों की तुलना

विद्यालय का प्रकार	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D)	मुक्तांश (df)	'टी' मूल्य 't'
शासकीय	22	25.45	12.29	48	4.01*
अशासकीय	28	14.46	6.80		P>0.05

N = 50 *टी. मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक है।

तालिका क्रमांक 4.3 में प्रदर्शित आंकड़ों के अवलोकन से ज्ञात होता है की शासकीय शाला में कार्यरत शिक्षक एवं अशासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता का टी मूल्य 4.01 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक है जो कि वह मान सार्थकता हेतु टी की वांच्छित मूल्य (2.01) से अधिक है अतः 0.05 स्तर पर परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर तीसरी परिकल्पना **"शासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं अशासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्य अंतर नहीं पाया जायेगा।"** को अस्वीकृत किया जाता है।

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है। की शासकीय शाला में कार्यरत शिक्षक अशासकीय प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षको अपेक्षा अधिक परिपक्व पाये गये है।

D-219

तालिका क्रमांक – 4.4

शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के कार्यो से उत्पन्न तनाव के मध्यमानों की तुलना

लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D)	मुक्तांश (df)	'टी' मूल्य 't'
शिक्षिका	32	90.53	11.53	48	1.617
शिक्षक	18	90.11	12.02		P<0.05

N = 50

तालिका क्र. 4.4 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है की प्रा. शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के कार्यों के उत्पन्न तनाव का टी मूल्य 1.617 है। यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। जो की वह मान सार्थकता हेतु टी का वांच्छित मूल्य (2.01) से कम है। अतः 0.05 स्तर पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर चौथी परिकल्पना **"प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के कार्यो से उत्पन्न तनावों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"** को स्वीकृत किया जाता है।

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है, कि प्राथमिक शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में कार्यों से उत्पन्न के मध्य कोई अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक – 4.5

शासकीय एवं अशासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों के कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्यमानों की तुलना।

विद्यालय का प्रकार	शिक्षकों संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D)	मुक्तांश (df)	'टी' मूल्य 't'
शासकीय	22	89.13	11.48	48	1.83
अशासकीय	28	95.21	11.73		P<0.05

N = 50

तालिका क्र. 4.5 से प्रदर्शित आंकड़ों के अवलोकन से ज्ञात होता है की शासकीय प्रा. शाला एवं अशासकीय प्रा. शाला में कार्यरत शिक्षकों के कार्यो से उत्पन्न तनाव का 'टी' मूल्य 1.83 है यह मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं हैं जो की वह मान सार्थकता हेतु टी की वांच्छित मूल्य (2.01) से कम है अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर पांचवीं परिकल्पना **"शासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों के कार्यों से उत्पन्न तनाव एवं अशासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों के कार्यो से उत्पन्न तनाव में कोई अंतर नहीं पाया जायेगा।"** को स्वीकृत किया जाता है।

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय एवं अशासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों में कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य अधिक अंतर नहीं है।